



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER

संस्करण / EDITION

दिनांक / DATE

① Kolkata
① Ei Samay - 18/4/16.

» पूर्व रेलवे खबर
कम्पिউটার प्रिन्टेड प्रथम टिकिट



कलकत्ताय प्रथम प्यासेज्जर रिजार्भेशन सिस्टेमे १९८७ सालेर १७ नभेम्बर कम्पिउटार प्रिन्टेड टिकिट बिक्री करा चालु होयेल्ल। प्रथम टिकिट रेलवे बोर्डेर फिनांशियल कमिशनार ओ एक्ज अफिसिओ सेक्रेटारि सङ्गय मुखार्जी पूर्व रेलवेर सदर दफतर फेयारलि प्रेसे गत १३ अप्रिल एक अनुष्ठाने जेनारेल म्यानेजर ए के गोयेल्लेर हाते तुले देन। टिकिटि ते तत्कालीन रेल मन्त्री माधव राओ सिद्धियार स्वास्कर रयेछे। ८७ सालेर १७ नभेम्बर एहि टिकिटेर (पिएनआर नम्बर ७१००८०) श्री सिद्धिया हाउडा थेके राजधानी एक्जप्रेस नया दिल्लि यात्रा करेछिलेन। सेइ समय श्री मुखार्जी कलकत्ताय ओइ प्यासेज्जर रिजार्भेशन सिस्टेमेर चिफ प्रोजेक्स्ट म्यानेजर छिलेन। तनि प्राय तिन दशक एहि टिकिटि निजेर संग्रहे यत्न करे रेखेछिलेन। एहि 'प्रथम' टिकिटि एदिन तनि दिये गेलेन। पूर्व रेलवेर फोटो ग्यालारि ते ता राखा थाकबे। साधारण दर्शक इच्छे करले एटि देखते पारबेन।

②

Ganabadi
16/4/16.

प्रथम कम्पिउटार
टिकिटेर प्रदर्शनी

निजस्य प्रतिनिधि : कलकत्ता,
१५ई अप्रिल- कम्पिउटार परिचालित
कलकत्ताय प्रथम छपा टिकिट सकल्लेर
जन्य देखार व्यवस्था करले। पूर्व रेलवे
सदरदपुर् फेयारलि प्रेसे
फोटो ग्यालारि ते प्रदर्शनी ते एहि टिकिट
सकले देखते पाबेन।

सम्प्रति रेलवे फिनांशियल
कमिशनार सङ्गय मुखार्जी एहि टिकिट
पूर्व रेलवे जेनारेल म्यानेजर ए
के गोयेल एर हाते तुले देन। एहि
टिकिट १९८७-७८ नभेम्बर हाउडा
थेके निउ दिल्लि पर्यन्त काटा हय।
एहि टिकिट ते तत्कालीन रेल प्रतिमन्त्री
माधवराओ सिद्धिया सई करेन। १९८७-७८
१७ई नभेम्बर तनि सई टिकिटेर यात्री
छिलेन।

सर्वसाधारण देखार जन्य एहि टिकिट
तुले देओयार समय अतिरिक्त जेनारेल
म्यानेजर सतीश कुमार, फिनांशियल
आडभाईसर चिफ आकाउन्ट अफिसार
दीपङ्कर लाहिडी एवं समस्त दपुर्
प्रधान उपस्थित छिलेन।

OUR PRESS RELEASE



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER _____

संस्करण / EDITION Kolkata

दिनांक / DATE _____

① Ek Samay - 16/4/16.

रेल्वे मिडिजियामे प्रथम कम्पिउटार टिकिट

एहि समय: पूर्व रेल्वे इतिहासे प्रथम कम्पिउटार प्रिन्टेड टिकिट कि के केटेहिलेन? आपात अजाना एहि तथ्यादि ए बार प्रकाश्ये एल। एबं टिकिटि प्रतिलिपि-सह। १९८७ साले ७ नवंबर रेल्वे तत्कालीन राष्ट्रमन्त्री माधवराव सिन्धियार काटा हाउडा-दिह्लि राजधानी एक्स्प्रेसे सेहि टिकिटि ए बार थेके देखा यावे रेलवे प्रदर्शनालय। फेयरलि प्लेसेर फोटो ग्यालारिटे टिकिटि प्रदर्शित हवे आमजनतार जन्य। मङ्गलवार पूर्व रेल्वे सदर दण्डुरे आयोजित एक अनुष्ठाने सिन्धियार स्मरित टिकिटि प्रतिलिपि पूर्व रेल्वे जेनारेल म्यानेजर ए के गोयेल्ले हाते तुले देन रेलवे बोर्डे फिनान्सियल कमिशनार सङ्ग मुखापाध्याय।

भारतीय रेल्वे प्यासेङ्गार रिजार्भेशन सिस्टम (पिआरएस) चालू हयैछे आज थेके प्राय तिन दशक आगे। संरक्षित ओ असंरक्षित मिलिये वर्तमाने प्रतिदिन दु'कोटि बेशि कम्पिउटार प्रिन्टेड टिकिटि बिक्री हय रेल्वे काउन्टार (अनलाइन/अफलाइन) थेके, या

अस्टेलियार जनसंख्या चयेओ बेशि। रेल्वे सूत्र बलछे, १९८७-८८ नवंबर जन्य सिन्धियार काटा ओहि टिकिटि (पिआरएस नम्बर ७१००८०) सङ्गत देशे प्राचीनतम कम्पिउटारे छापा टिकिटि। रेलवे बोर्डे फिनान्सियल कमिशनार सङ्ग यावत तखन हिलेन पिआरएस-कलकाता सिस्टम म्यानेजर-काम-डेपुटि चिफ प्रोजेक्ट म्यानेजर। गत तिन दशक धरे तिन टिकिटि व्यक्तिगत भावे संरक्षण करेहल। निजे संग्रह थेके ए बार सेटि तिन जनसाधारण सामने तुले आनलेन।

ए हेल अभिनव उद्योगे पाशापाशि परिवेवार मान बजाय रेथे राजस्व बाढानोतेओ जेकर दिछे रेल। रेल बोर्डे फिनान्सियल कमिशनार सङ्ग यावत गत बुधवार गार्डेनरिटे दक्षिण-पूर्व रेल्वे हेड-क्वार्टरसे यान। दक्षिण-पूर्व रेल्वे जेनारेल म्यानेजर ए के गोयेल्ले एबं अन्य कर्तार सङ्गे बैठक करेन तिन। आर्थिक परिस्थिति की, बैठके ता सङ्ग ब्याख्या करे बोखान गोयेल्ले। पारे २०१५-१६ आर्थिक वर्षे दक्षिण-पूर्व रेल्वे राजस्व आदायेर प्रशंसा करेन सङ्ग।

OUR PRESS RELEASE



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER

संस्करण / EDITION

दिनांक / DATE

① Dainik Jagaran - 14/4/16

हेरिटेज गैलरी पहुंचा पहला आरक्षण टिकट



जीएम एके गोयल को पहला पीआरएस टिकट सौंपते वित्तीय आयुक्त रेलवे बोर्ड संजय मुकर्जी।

जागरण संवाददाता, कोलकाता : तकरीबन तीन दशक तक संभाल कर रखे गए रेलवे के यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) से जारी प्रथम आरक्षण टिकट को बंगाली नए वर्ष की पूर्व संध्या पर पूर्व रेलवे के हेरिटेज गैलरी के लिए समर्पित किया जाना काफी गर्व की बात है। यह बात बुधवार को फेयर्रीप्लेस स्थित पूर्व रेलवे के नए सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के तहत वित्तीय कमिशनर (रेलवे बोर्ड) संजय मुकर्जी ने कही। उन्होंने पीआरएस के ऐतिहासिक सफर पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि पूर्वी भारत में कम्प्यूटरीकृत रेल आरक्षण की शुरुआत 1987 में की गई थी। हालांकि प्रायलट प्रोजेक्ट के रूप में नई दिल्ली में इसकी प्रारंभ 1984 में कर दिया गया था। पूर्व रेल राज्यमंत्री स्व. माधव राव सिंधिया ने कोलकाता में यात्री आरक्षण प्रणाली का उद्घाटन 17 नवंबर 1987 में किया था। उनके नाम पर पहला यात्री आरक्षण टिकट 101 अप हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के प्रथम एसी में पीएनआर 610040 से जारी किया गया था। कहा कि उस वक्त वह स्वयं कोलकाता में सिस्टम मैनेजर

♦ वित्तीय आयुक्त रेलवे बोर्ड ने पूरे के जीएम को सौंपा प्रथम पीआरएस टिकट

डिप्टी चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर थे। पूर्व रेल राज्यमंत्री ने उस समय अपने हस्ताक्षर युक्त उस टिकट को उन्हें सौंप दिया था। बताया कि यह वर्ष रेल पर्यटन के लिए काफी खास है। वह पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई स्थानों पर जा रहे हैं। कहा कि उन्होंने उक्त आरक्षण टिकट को तकरीबन 30 दशक तक संभाल कर रखा था। बंगाली नव वर्ष के अवसर पर कुछ खास तोहफा रेलवे को देने के उद्देश्य से उन्होंने लोगों के लिए पूर्व रेलवे के हेरिटेज गैलरी में रखने के लिए बुधवार को महाप्रबंधक एके गोयल को पहला आरक्षण यात्री टिकट समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे में प्रतिदिन 2 करोड़ आरक्षित और अनारक्षित यात्री सफर करते हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या के बराबर है। इस अवसर पर सुब्रत नाथ ईडी (हेरिटेज) रेलवे बोर्ड, सतीश कुमार एजीएम, दिपांकर लाहिरी वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी, सीपीआरओ रवि एन महापात्र, मुख्य सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ विनोद कुमार ढाका समेत सभी विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

② Samang - 14/4/16



पूर्व रेलवे की ओर से आयोजित फसर्ट कम्प्यूटराइज्ड टिकट को हेरिटेज में सौंपने की घोषणा करते जीएम ए. के. गोयल व रेल बोर्ड के वित्त आयुक्त संजय मुखर्जी। साथ में हैं सीपीआरओ आर. एन. महापात्र

OUR PRESS RELEASE



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे

PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY

समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER

संस्करण / EDITION Kulka

दिनांक / DATE

① Chapte Chapte - 14/4/16.

पहला कंप्यूटरीकृत टिकट सार्वजनिक हुआ

कोलकाता, 13 अप्रैल। रेलवे बोर्ड के वित्तीय आयुक्त श्री संजय मुखर्जी ने 7 नवम्बर 1987 में कोलकाता पीआरएस द्वारा जारी पहला कंप्यूटरीकृत टिकट आज पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री एके गोयल को सौंपा। यह टिकट फेयरली प्लेस की फोटो गैलरी में संरक्षण और आम लोगों के लिए रखा जायेगा।

इस टिकट पर तत्कालीन रेल राज्यमंत्री माधवराव सिंधिया के हस्ताक्षर हैं। पूर्व रेलवे के मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री संजय मुखर्जी ने कहा कि भारतीय रेल में संभवतः यह सबसे पुराना पीआरएस टिकट है जो सुरक्षित रखा गया है। यह टिकट 17 नवम्बर को माधवराव सिंधिया ने हावड़ा नई दिल्ली-राजधानी एक्सप्रेस की प्रथम श्रेणी एसी का कटया था। लगभग तीन दशकों से उन्होंने इसे सुरक्षित



रेलवे बोर्ड के वित्तीय आयुक्त श्री संजय मुखर्जी पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री एके गोयल को पहला कंप्यूटरीकृत टिकट देते हुए।

रखा। इस ऐतिहासिक मौके पर पूर्व एवं मुख्य लेखा अधिकारी श्री रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री दीपांकर लाहिड़ी और सभी विभागीय सतीश कुमार, वित्तीय सलाहकार प्रधान उपस्थित थे।

② Bhaskar - 14/4/16.

कोलकाता पीआरएस का पहला कम्प्यूटराइज्ड टिकट जारी

कोलकाता, 13 अप्रैल। रेलवे बोर्ड के वित्तीय आयुक्त श्री संजय मुखर्जी ने पहला कोलकाता पीआरएस का कम्प्यूटराइज्ड टिकट पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री ए.के. गोयल ने फोटो गैलरी, फेयरली प्लेस में आयोजित समारोह में सौंपा। टिकट पर पूर्व रेल राज्य मंत्री माधवराव सिंधिया का हस्ताक्षर है। इस मौके पर श्री मुखर्जी ने कहा कि पहला टिकट यात्री रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) के लिये जारी किया गया है। पूर्व रेल मंत्री माधवराव सिंधिया का यह हस्ताक्षरयुक्त है। यह टिकट 17 नवंबर 1987 को जारी किया गया था। जिसका पीएनआर नंबर 610040 है। माननीय पूर्व रेल मंत्री ने फर्स्ट क्लास एसी से 101 अप हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस से यात्रा की थी। तीन दशक बाद उनकी याद में कोलकाता पीआरएस



वित्तीय आयुक्त, रेलवे बोर्ड श्री संजय मुखर्जी पहला पीआरएस टिकट पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री ए.के. गोयल को सौंपते हुए।

का पहला कम्प्यूटराइज्ड टिकट जारी किया गया है। 1987 में कम्प्यूटराइज्ड रेलवे आरक्षण प्रणाली शुरू की गयी थी। फिलहाल

अनारक्षित टिकटों से 2 करोड़ से अधिक यात्री दैनिक यात्रा करते हैं। यह संख्या आस्ट्रेलिया की जनसंख्या से अधिक है। श्री संजय

मुखर्जी ने कहा कि टिकट में पूर्व रेलमंत्री का ऑटोग्राफ है। बुधवार को बंगला नव वर्ष पर पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक को सौंपा गया।

OUR PRESS RELEASE



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER _____

संस्करण / EDITION _____

Kolkata

दिनांक / DATE _____

(1) Prabhas

Khabar - 15/4/16.

पूर्वी भारत का पहला पीआरएस टिकट सौंपा जीएम को



कोलकाता. इतिहास व्यक्ति को गर्व करना सिखाता है. बुधवार को इसका ताजा प्रमाण उस वक्त दिखा, जब पूर्व रेलवे मुख्यालय फेयरी प्लेस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वित्तीय कमिशनर (रेलवे बोर्ड) संजय मुखर्जी ने पूर्वी भारत के प्रथम कम्प्यूटरीकृत रेल आरक्षण रेलवे टिकट को पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक एके गोयल को सौंपा. फेयरी प्लेस स्थित न्यू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व रेलवे के हेरिटेज गैलरी के लिए पूर्वी भारत के पहले कम्प्यूटरीकृत टिकट को महाप्रबंधक एके गोयल को सौंपते हुए श्री संजय मुखर्जी ने कहा कि 17 नवंबर 1987 को पूर्व रेल राज्यमंत्री स्व. माधव राव सिंधिया ने कोलकाता में पूर्वी भारत का पहला यात्री आरक्षण प्रणाली का उद्घाटन किया था. उस दिन ही उनके नाम पर पहला यात्री आरक्षण टिकट 101 अप हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के प्रथम एसी में पीएनआर 610040 से जारी किया गया था. श्री मुखर्जी ने बताया कि प्रथम कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली के उद्घाटन के दिन वह सिस्टम मैनेजर/ डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में कोलकाता में कार्यरत थे. कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक सतीश कुमार, सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी दीपकर लाहिरी, मुख्य सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ विनोद कुमार ढाका और सीपीआरओ रवि एन महापात्र मौजूद रहे.

(2)

Salam Duniya - 14/4/16.

प्रदर्शनी में लगा कोलकाता पीआरएस का पहला कम्प्यूटराइज्ड टिकट



कोलकाता : रेलवे बोर्ड के फाइनेंस कमिशनर संजय मुखर्जी ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक एके गोयल को कोलकाता पीआरएस द्वारा गत 7 नवंबर 1987 को छपी पहली कम्प्यूटराइज्ड टिकट को संरक्षण एवं प्रदर्शनी के लिए सौंप दिया. फेयरली प्लेस स्थित पूर्व रेलवे के हेडक्वार्टर की फोटो गैलरी में इस टिकट को प्रदर्शनी में लगाई जाएगी. इस टिकट पर रेलवे के केंद्रीय राज्य मंत्री स्वर्गीय माधवराव सिंधिया के हस्ताक्षर मौजूद हैं. इस ऐतिहासिक मौके पर मुखर्जी ने कहा कि यह टिकट भारतीय रेलवे द्वारा संग्रहित सबसे पुराने टिकट है जिसे पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम योजना के माध्यम से पहली बार जारी किया गया था. लगभग 30 सालों से इस टिकट को बहुत ही सावधानी से सहेज कर रखा गया है. इस मौके पर एडिशनल जनरल मैनेजर सतीश कुमार, पूर्व रेलवे के फाइनेंस एडवाइजर व चीफ अकाउंट्स ऑफिसर दीपकर लाहिरी, पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी आर.एन. महापात्र समेत अन्य लोग मौजूद रहे.



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER _____

संस्करण / EDITION Kalkatta.

दिनांक / DATE 14/4/15.

① Dainik Vicharmita.

कोलकाता पीआरएस का पहला कम्प्यूटरीकृत टिकट प्रदर्शित



कोलकाता, 13 अप्रैल (नि.प्र.)। रेलवे बोर्ड के वित्तीय आयुक्त संजय मुखर्जी ने प्रथम कम्प्यूटरीकृत टिकट को पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री ए.के. गोयल के अधीन किया। रेलवे मुख्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन कर इसे सौंपा गया। श्री मुखर्जी ने कहा कि पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) का उद्घाटन पूर्व रेलवे राज्य मंत्री माधव राव सिंधिया की मौजूदगी में किया गया था। यह टिकट रेलवे द्वारा प्रथम श्रेणी एसी क्लास का दिल्ली-राजघाटी एक्सप्रेस का था जो कलकत्ता का प्रोजेक्ट था। यह पूर्वी भारत का एक मात्र कम्प्यूटराइज्ड टिकट था। जिसके द्वारा वर्तमान में रोजाना 2 करोड़ से ज्यादा

यात्री यात्रा कर रहे हैं। जो आस्ट्रेलिया की जनसंख्या से भी ज्यादा है। संजय मुखर्जी ने कहा कि इस बहुमूल्य टिकट को हेरिटेज गैलरी में प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा। इस टिकट की कई विशेषता है। जिसपर पूर्व रेल मंत्री ने अपना हस्ताक्षर भी किया है। आज बंगला नववर्ष के दिन इसे रेल राज्यमंत्री को सौंपा जा रहा है। एक छोटी सी यात्रा से शुरू हुई यह जिन्दगी 30 वर्षों की बड़ी यात्रा में बदल गई। सतीश कुमार अतिरिक्त महाप्रबंधक, दीपकर लाहिड़ी, वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी एवं सभी ऐतिहासिक विभागों के प्रमुख इस मौके पर मौजूद थे।

OUR PRESS RELEASE



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER _____

संस्करण / EDITION Kolkata

दिनांक / DATE _____

① Economic Times

21/4/14

Display of 1st computerised ticket



Sanjoy Mookerjee, financial commissioner, Railway Board, handed over the first computer printed ticket, issued by Kolkata PRS (November 7, 1987) to A K Goel, GM, ER, for preservation and public display on April 13.

② Times of India
16/4/14

ER information

Display of 1st computerised ticket

Sanjoy Mookerjee, financial commissioner, Railway Board, handed over the first computer printed ticket, issued by Kolkata PRS (November 7, 1987) to A K Goel, GM, ER, for preservation and public display on April 13.

OUR PRESS RELEASE



8

जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER The Statesman
संस्करण / EDITION Kolkata दिनांक / DATE 14/4/2016

①

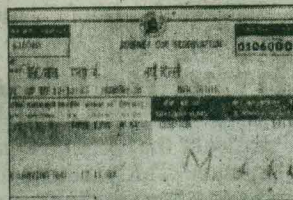
ER to preserve first-ever e-ticket

STATESMAN NEWS SERVICE
Kolkata, 13 April

The first-ever computer printed rail ticket has been handed over by the railway board to the Eastern Railway (ER) for preservation and public display at the heritage photo gallery today.

Mr Sanjoy Mookerjee, financial commissioner, railway board, handed over the ticket to Mr A K Goel, general manager, ER. According to the railway sources, this ticket that was issued on 17 November 1987, is perhaps the oldest passenger reservation system (PRS) ticket preserved in the Indian railways.

The programme was held at ER's headquarters at Fairlie Place. "This small step taken in 1987 for introducing computerisation of railway reservation in east-



ern India, has now been transformed into a mammoth system, which provides reserved and unreserved tickets to more than two crore railway passengers daily, a figure which is more than the population of Australia," said Mr Mookerjee.

This ticket, issued for travel with PNR No. 610040 for journey by the then minister of state for railways Mr Madhavrao Scindia in first class AC by the 101 Up Howrah-New Delhi Rajdhani Express, has been preserved for nearly three decades by Mr Mukherjee,

who during that time was the system manager-cum-deputy chief project manager of the PRS project at Kolkata.

He also said in his speech that, "the unique feature of this ticket is that it is autographed by the railway minister". He further said that the pioneering efforts of the Railway officers and staff, who envisioned and implemented perhaps the largest commercial software of the world which is functioning without a hitch for more than 30 years, beginning its journey as a pilot project at New Delhi in 1984 is highly appreciable.

Mr Satish Kumar, additional general manager, Mr Dipankar Lahiri, financial adviser and chief accounts officer, ER and all principal heads of the departments were present on this historic occasion.

OUR PRESS RELEASE



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे

PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY

समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER

संस्करण / EDITION

Kolkata

दिनांक / DATE

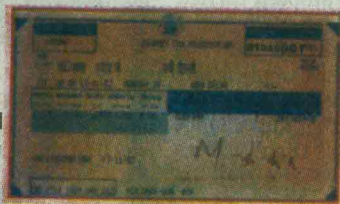
14/4/2016

**First computerised
ticket to be on display**

KOLKATA: Sanjoy Mookerjee, financial commissioner, Railway Board, handed over the first computer printed ticket, issued by Kolkata PRS to Shri AK Goel, general manager, Eastern Railway, for preservation and public display at the photo gallery, Fairlie Place. **HTC**

CITY BRIEFS
**RAILWAY PRESERVES FIRST
COMPUTERISED TICKET**

KOLKATA: Sanjoy Mookerjee, Financial Commissioner, Railway Board on Wednesday handed over the first computer printed ticket, issued by Kolkata



PRS on November 7, 1987 to AK Goel, General Manager, Eastern Railway for preservation and public display at the photo gallery, Fairlie Place at a programme held on Wednesday morning. The ticket was signed by the then Railway minister Madhavrao Scindia. Speaking on this historic occasion, Mookerjee, said the first ticket which was issued by Passenger Reservation System (PRS) during the inauguration of the project by the then Railway minister Madhavrao Scindia, is perhaps, the oldest PRS ticket preserved in the Indian Railways.

OUR PRESS RELEASE



जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER The Political and Business Daily.
संस्करण / EDITION Kolkata दिनांक / DATE 14/4/2016.

(1)

First computerised Railway ticket of Kolkata on display

PBD BUREAU

KOLKATA, APRIL 13

SANJOY Mookerjee, Financial Commissioner, Railway Board, handed over the first computer printed ticket, issued by Kolkata PRS on Nov 7 in 1987. A. K. Goel, General Manager, Eastern Railway, for preservation and public display at Photo Gallery, Fairlie Place in a programme held at Eastern Railway's Headquarters, Fairlie Place today.

The ticket was signed by the then Minister of State for Railways, Late Madhavrao Scindia. Speaking on this historic occasion, Mookerjee, Financial Commissioner, said the first ticket which was issued by Passenger Reservation System (PRS) during the inauguration of the project by the then Minister of State for Railways, Late Madhavrao Scindia, is perhaps, the oldest PRS ticket preserved in the Indian Railways. This ticket, issued for travel on the 17th November, 1987 with PNR No 610040 for

journey by the Minister of State for Railways in First Class AC by the 101 Up Howrah-New Delhi Rajdhani Express, has been carefully preserved for nearly 3 decades by him, who during the material time was the System Manager cum-Dy. Chief Project Manager of the Passenger Reservation System (PRS) project at Kolkata.

This small step taken in 1987 for introducing computerization of Railway reservations in Eastern India, has now been transformed into a mammoth system, which caters to the reserved and un-reserved tickets to more than 2 crore Railway passengers daily, a figure which is more than the population of Australia.

Sanjoy Mookerjee also said in his speech that the unique feature of this ticket is that it is autographed by Hon'ble Minister of State for Railways.

Today on the eve of the Bengali New Year, this invaluable ticket is handed over to General Manager, Eastern Railway for preservation at the Heritage Gallery, Eastern Railway, Fairlie Place, Kolkata for its safe keeping and display to the Railway enthusiasts.

He further said that the pioneering efforts of those Railway officers & staff, who envisioned and implemented perhaps the largest commercial software of the world which is functioning without a hitch for more than 30 years, beginning its journey as a pilot project at New Delhi in 1984 is highly appreciable.

Satish Kumar, Addl. General Manager, Dipankar Lahiri, Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Eastern Railway and all principal heads of the Departments were present on this historic occasion.

OUR PRESS RELEASE



15

जनसम्पर्क कार्यालय, पूर्व रेलवे
PUBLIC RELATIONS OFFICE, EASTERN RAILWAY
समाचार कतरन / PRESS CLIPPINGS

समाचार पत्र के नाम / NAME OF NEWSPAPER

Morning India

संस्करण / EDITION

Kolkata

दिनांक

DATE

14/4/2016.

①

S. Mookerjee handed over First computerized ticket of Kolkata PRS to GM of Eastern Railway and ticket is to be displayed for Public viewing at Heritage Gallery

KOLKATA: On Wednesday, Eastern Railway held an occasion at its Headquarter, Fairlie Place, in which Shri Sanjoy Mookerjee, Financial Commissioner, Railway Board, handed over the first computer printed ticket, to Shri A.K Goel, GM, Eastern Railway, for preservation and public display at Photo Gallery, Fairlie Place. The ticket was issued by Kolkata PRS (7.11.1987) and was signed by the then Hon'ble Minister of State for Railways, Late Madhavrao Scindia.

In this occasion Satish Kumar, Addl. GM, Dipankar Lahiri- FS & CAO and other principal heads of the Depts were present on the occasion.

The ticket was issued for travel on the 17th November, 1987 with PNR No 610040 for journey by the Hon'ble Minister of State for Railways in First Class AC by the 101 Up Howrah- New Delhi Rajdhani Express has been Carefully preserved for nearly 3 decades by Mr Mookerjee, who during the material time was the System Manager-cum- Dy. Chief Project



Manager of the Passenger Reservation System project of Kolkata. This small step taken in 1987 for introducing computerization of Railway reservations in Eastern India, has now been transformed into a mammoth system, which caters to the reserved and unreserved tickets to more than 2 crore Railway passengers daily, a figure which is more than the population of Australia. A.K Goel expressed his happiness and informed that the first computerized ticket of Kolkata PRS is to be

displayed for public viewing.

Speaking on the historic occasion, Shri Mookerjee, Financial Commissioner said the first ticket which was issued by PRS during he inauguration of the project by the then Hon'ble Minister of State for Railway, Late Madhavrao Scindia is perhaps the oldest PRS ticket preserved in the Indian Railways and it is autographed by the then Hon'ble Minister of State for Railways. He further said, on the eve of the Bengali New Year, this invaluable ticket is handed

over to GM, Eastern Railway for preservation at the Heritage Gallery, ER, Fairlie Place Kolkata, for its safe keeping and display to the Railway enthusiasts. The pioneering efforts of those Railway officers and staffs who envisioned and implemented perhaps the largest commercial software of the world which is functioning without a hitch for more than 30 years, beginning its journey as a pilot project at New Delhi in 1984 is highly appreciable.

OUR PRESS RELEASE